एक क्लिक पर सामने होगी हर छात्र की कुंडली

कुलपति ने लान्च की विश्वविद्यालय की अपडेट वेबसाइट, सभी पोर्टल का लिंक एक साथ आएगा नजर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ।

लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अब एक क्लिक से सभी शिक्षकों और छात्रों का पूरा ब्यौरा मिल जाएगा। जरूरत पड़ने पर इसे दुरुस्त भी किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय ने अपनी बदली वेबसाइट बुधवार को लांच कर दी। इसे ऐसे डिजाइन किया गया है कि इससे जुड़े सभी पोर्टल के लिंक एक साथ नजर आएंगे। कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने डाटा रिसोर्स सेंटर की ओर से तैयार वेबसाइट का उद्घाटन किया। डाटा रिसोर्स सेंटर के निदेशक प्रो. अनिल मिश्रा ने वेबसाइट की खूबियां बताईं।

लखनऊ विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का बुधवार को शुभारंभ हुआ। अमर उजाला

बताया कि विवि की वेबसाइट को सरकार की ओर से जारी नए सुरक्षा मानकों के तहत तैयार किया गया है। सभी जरूरी सूचनाओं के साथ इसमें सभी पोर्टल के लिंक दिए गए हैं। इनमें पहला भाग विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए होगा। इस पर वे लॉग इन करेंगे। दूसरा भाग एडमिनिस्ट्रेशन का होगा। विवि के पदाधिकारियों के पास इसे लॉगइन करने का अधिकार होगा। वे इसकी सहायता से किसी भी विद्यार्थी का नाम, पता आदि जान सकेंगे। इस पर विद्यार्थी के खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई का ब्यौरा भी होगा। तीसरा भाग फैकल्टी लॉगइन के लिए होगा। इस पर जाकर सभी शिक्षक अपना ब्यौरा और उपलब्धियां अपडेट कर सकते हैं। उन्हें डाटा रिसोर्स सेंटर को इसका ईमेल करना होगा। इसके बाद अपडेट किया डाटा दिखने लगेगा।

उपलब्धियों के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई का भी ब्यौरा

डाटा रिसोर्स सेंटर पोर्टल पर विद्यार्थी की उपलब्धियां और अनुशासनात्मक कार्रवाई का ब्यौरा होगा। विवि की प्रॉक्टोरियल टीम एक क्लिक पर पूरी जानकारी हासिल कर सकेगी। वेबसाइट पर प्रॉक्टर या अन्य किसी पदाधिकारियों को लॉगइन करके स्टूडेंट की सूचना जैसे- नाम, क्लास आदि डालने पर पूरा रिकॉर्ड मिल जाएगा। इस तरह से स्टूडेंट्स की पहचान तुरंत हो जाएगी। प्रॉक्टोरियल टीम को कार्यालय खुलने का इंतजार नहीं करना होगा।

दिव्यांग और दृष्टिबाधित भी कर सकेंगे उपयोग

लविवि की वेबसाइट दिव्यांग और दृष्टिबाधितों के उपयोग के लिए आसान होगी। इसके लिए वेबसाइट को खास सॉफ्टवेयर के लैस किया गया है। उपयोगकर्ता एक एप्लीकेशन डाउनलोड करने के बाद सभी सूचनाएं सुनकर प्राप्त कर सकेंगे। यह सुविधा अभी तक राजधानी के किसी भी विवि में उपलब्ध नहीं है।

तुरंत अपलोड होंगी सूचनाएं

नई वेबसाइट परसूचनाएं अपलोड करने में समय बर्बाद नहीं होगा। विभागाध्यक्ष या अन्य उपयोगकर्ता खुद लॉगइन करके सूचना अपलोड कर सकते हैं। इसके बाद इसका ई-मेल डाटा रिसोर्स सेंटर के पास भेजेंगे। डाटा रिसोर्स सेंटर उसे अधिकृत कर देगा और समय बर्बाद हुए बिना यह सूचना वेबसाइट पर आ जाएगी।